महत्वपूर्ण एवं खास

आईईडी विस्फोट से आईटीबीपी का एक जवान मामूली रूप से हुआ घायल

नारायणपुर (आरएनएस)। जिले के धनोरा थाना से जिला पुलिस बल एवं आईटीबीपी की संयुक्त टीम सर्चिंग के लिए आज बुधवार सुबह रवाना हुई थी। इसदौरान ओरछा जाने वाले मुख्य मार्ग पर धनोरा से एक किलोमीटर दूर जवानों को नुकसान पहुचाने के लिए नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया है। इस विस्फोट की चपेट में आईटीबीपी का एक जवान मनोज कुमार मामूली रूप से घायल हुआ है। घायल जवान का उपचार छोटेडोंगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। उसी इलाके में जवानों ने एक प्रेशर आईईडी भी बरामद किया गया है। नारायणपुर एसपी पुष्कर शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सलियों ने आरओपी में निकले आईटीबीपी के जवानों पर आईईडी बलास्ट किया गया है जिसमें सभी जवान सुरक्षित है, एक जवान को मामूली चोट आई है। अतरिक्त टीम भेजी गई है, साथ में बीडीएस की टीम भी रवाना किया गया, सर्चिंग के दौरान एक प्रेशर आईईडी भी बरामद किया गया है।

पर्यटन बोर्ड की सदस्य ने कलेक्टर से सौजन्य मुलाकात की

सूरजपुर (आरएनएस)। कलेक्टर इफ्फत आरा से पर्यटन विकास की संभावना पर चर्चा किए जाने हेतु पर्यटन बोर्ड की कार्यकारिणी सदस्य नीति सिंह देव ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सूरजपुर जिले के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल कुदरगढ़ तथा खोपा देव में पर्यटक सुविधाओ के विकास किए जाने तथा रामेश्वरमनगर को कोरबा के सतरेंगा तक भविष्य में क्रूज चलाए जाने की संभावनाओं पर भी विचार किया। गौरतलब है कि हसदो नदी का कोरबा के सतरेंगा से रामेश्वरमनगर तक क्रूज के लिए एक अच्छा जल ट्रैक है। यहाँ पर क्रूज के संचालन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और यह विशेष आकर्षण का केंद्र भी होगा, साथ ही केनापारा पर्यटन स्थल का संचालन पर्यटन विभाग के माध्यम से किए जाने आदि विषयों पर चर्चा की गई।

रोजगार मेला : 15 को 235 रिक्त पदों में भर्ती के लिए लगेगा रोजगार मेला

कोरबा। जिले के युवाओं को रोजगार प्रदान करने कोरबा जिले के शासकीय ईव्हीपीजी कॉलेज कोरबा में 15 फरवरी 2023 को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले के माध्यम से जिले के युवाओं को अपना भविष्य संवारने का सुनहरा मौका मिलेगा। रोजगार मेले में कुल 235 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिले के 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। रोजगार के लिए युवाओं की भर्ती इंटरव्यू-प्लेसमेंट के माध्यम से की जाएगी। रोजगार मेले में कुल 09 कंपनियां शामिल हो रही हैं। इसमें जिफ्सा एजुकेशन एण्ड टेक्निकल प्राइवेट लिमिटेड कोरबा अंतर्गत मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव्ह के 05 पद, फिमेल टैलीकॉलर 06 पद, काउंसलर के 06 पद, प्लेसमेंट मैनेजर के 02 पद, फायर सेफ्टी के 02 पद, असिस्टेंट प्रोफेसर (आई.टी) के 04 पद, असिस्टेंट प्रोफेसर मैनेजमेंट के 04 पद, कम्प्युटर टीचर के 04 पद, कम्प्युटर लैब असिस्टेंट के 02 पद, कम्प्युटर ऑपरेटर के 02 पद, लाइब्रेरियन के 01 पद तथा ऑफिस बॉय के 03 पदों पर भर्ती ली जाएगी। इसी प्रकार चोलामण्डलम इंवेस्टमेंट फायनेंस कंपनी लि. कोरबा में सेल्स एक्जीक्यूटिव के 06 पद, आदित्य बिरला सन लाईफ इंश्योरेंस कंपनी कोरबा में एजेंसी मैनेजर के 02 व एडवाईजर के 20 पद, एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी कोरबा में एजेण्ट के 10 व एस.ओ. के 05 पद, एचडीएफसी सेल्स प्राईवेट लिमिटेड कोरबा में सेल्स ऑफिसर के 04 पद, सप्तदेव ऑटोमोबाइल प्रा0लि0 कोरबा में सेल्स एक्जीक्यूटिव के 05 पद, हुंडई कोरबा में सेल्स मैनेजर के 05 पद, सोनी मल्टीसर्विसेस कोरबा में एजेण्ट के 10 पद, एक्जीक्यूटिव्ह के 05 एवं मैनेजर के 02 पदों पर भर्ती की जाएगी।

चार सालों में वनोपज संग्राहकों की संख्या में 4 गुना से ज्यादा की बढ़ोत्तरी

- डेढ़ लाख से बढ़कर 6 लाख से ज्यादा हुए वनोपज संग्राहक
- लघु वनोपजों की खरीदी की मात्रा में 78 गुना से ज्यादा की हुई वृद्धि
- कोदो, कुटकी, रागी भी समर्थन मूल्य पर खरीद रही छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर (आरएनएस)। रोजगार, स्व-रोजगार, स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और उद्यमिता विकास को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किये हैं। इन चार वर्षों में ग्रामीण तबकों और सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है, जिसके परिणाम स्वरुप प्रदेश के बनवासी, ग्रामीण, किसान, मजदूर और कारीगर वर्ग को बड़ा लाभ हुआ है। छत्तीसगढ़ सरकार के जनहितैषी नीतियों का ही परिणाम है कि आज प्रदेश का हर वर्ग आर्थिक रूप से सशक्त और सम्पन्न हो रहा है। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में निवास करने वाले वनवासी एवं आदिवासियों के हित में और वनों में उनके अधिकारों को और अधिक दृढ करने एवं वनोपज से आय में वृद्धि के सपने को साकार करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

राज्य में पहली बार समर्थन मूल्य पर कोदो, कुटकी, रागी की खरीदी की गई। लघु धान्य फसलों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में मिलेट मिशन भी चलाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में देश का 74 प्रतिशत लघु वनोपज संग्रहित होता है। सरकार ने संग्राहकों के हित में लघु वनोपजों की संख्या में 9 गुना वृद्धि करते हुए 7 से बढ़ाकर 65 लघु वनोपजों की खरीदी करने का निर्णय लिया यही कारण है कि इन चार सालों में संग्राहकों की संख्या में भी 4 गुना से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, वर्ष 2018-19 में संग्राहकों की संख्या 1.5 लाख थी जो आज बढक़र 6 लाख हो गई है। लघु वनोपजों की खरीदी की मात्रा में भी 78 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है, वर्ष 2021-22 में कुल 42 हजार मीट्रिक टन लघु वनोपजों की खरीदी की गई है, जबकि यह मात्रा वर्ष 2018-19 में 540 मीट्रिक टन थी।

छत्तीसगढ़ पूरे देश का सबसे बड़ा वनोपज संग्राहक राज्य है, इस वर्ष राज्य सरकार ने 120 करोड़ रूपए का भुगतान वनोपज संग्राहकों को किया है। वर्ष 2020-21 में 153.46 करोड़ रुपए का लघु वनोपज देशभर में खर्च की गई राशि का अकेला 78 प्रतिशत है। पिछले चार वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं के परिणाम स्वरुप 13 लाख तेंदुपत्ता संग्राहकों एवं 06 लाख वनोपज संग्राहकों को 250 करोड़ रूपए की अतिरिक्त सालाना आय हुई है। संग्रहण के साथ-साथ 129 वनधन विकास केन्द्रों के माध्यम से वनोपजों का प्रसंस्करण कर 134 हर्बल उत्पादों का छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड के नाम से विक्रय करने के लिए मुख्यमंत्री की पहल पर 6 सी-मार्ट और 30 संजीवनी केन्द्रों की स्थापना की गई है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने अन्य राज्यों की तुलना में पेसा कानून को लेकर बेतहतर प्रावधान बनाए हैं ताकि वनांचलों में स्थानीय स्वशासन सशक्त हो सकें और वन में रहने वाले लोगों को ज्यादा अधिकार मिल सकें। सरकार आदिवासियों के रोजगार, स्व-रोजगार के लिए और उनकी आय में वृद्धि हो सकें इस दिशा में अनेकों प्रयास कर रही है।

संग्राहको के हित में तेन्दूपत्ता संग्रहण दर 25 सौ रूपए से बढ़ाकर 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा किया गया है, वहीं संग्राहको को 4 वर्ष में 2146.75 करोड़ रूपए तेन्दूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक एवं 339.27 करोड़ रूपए प्रोत्साहन पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है। संग्राहक परिवारों के हित में शहीद महेन्द्र कर्मा तेन्दूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत् अब तक 4692 हितग्राहियों को 71.02 करोड़ रूपए की सहायता प्रदान की गई है। वन अधिकारों के क्रियान्वयन में भी छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी राज्य है। छत्तीसगढ़ सरकार ने लाख उत्पादन को कृषि का दर्जा दिया है और लाख उत्पादक कृषकों को अल्पकालीन ऋण प्रदान करने की योजना भी लागू की है, जिसके प्रभाव स्वरूप आज लाख उत्पादक किसान आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं।

मंगलवार को आरू साहू और दिलीप षड़ंगी को सुनने उमड़ा भीड़

- आमा पान के पतरी अऊ चैत के महिना में आबे दाई इस गीत ने तो दर्शकों को झूमने में मजबूर कर दिया

राजिम (आरएनएस)। मंगलवार की शाम आरू साहू और दिलीप षड़ंगी की प्रस्तुति ने ऐसा धूम मचाया कि दर्शको को झूमने पर मजबूर हो गए। नदी में लम्बे चौड़े भू भाग होने के बाद भी दर्शक दीर्घा में पैर रखने की जगह नही थी। यहां तक कि मेला क्षेत्र में लगे 7 एलईडी में देखने सुनने हजारो भीड़ लगी रही। उनके गानों की दीवानगी की खुमारी दर्शको में बखूबी देखने को मिला।

मंच पर छत्तीसगढ़ की उभरती गायिका आरू साहू ने राम सिया राम.. जय जय राम गाकर मंच को राममय कर दिया। सभी दर्शक रामनाम की माला जपने लगे। हो माई झुपत-झुपत... इस गीत सुनकर दर्शक आनंदित हो उठे। छश्रसगढ़ में होने वाली परंपरागत त्यौहारों को गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। जिसमें सुआ नृत्य, गौरा गौरी और राउत नाचा इनको देखकर दर्शकों को एक समय ऐसा लगा कि त्यौहार अभी आने वाला है। आरू की अगली प्रस्तुति छश्रसगढिय़ा सबले बढिय़ा... मेरे भारत का बच्चा-बच्चा जय श्रीराम बोलेगा... ये गीत को गाने के लिए आरू मंच के नीचे आ गई और श्रोता के साथ गीत को गाने लगी। हर-हर शंभू-शंभू ने तो और भी धमाल मचा दिया। मोर अंगना म गड़े हे जैतखाम गीत ने घुरूघासी दास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया। मोर से नैना मिलाके... इस गीत

ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम के दूसरे कड़ी में जगराता के सम्राट दिलीप षडंगी ने जसगीत और छत्तीसगढ़ी गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को झमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने अपनी शुरूआत हम उस देश के वासी है जिसे देश में गंगा बहती है..... आदमी हूं आदमी से प्यार करता हूं... गीत की प्रस्तुति दी। जिसे सुनकर दर्शकों में भी आत्मीयता जाग उठी। नमो नमो जगदम्बे... मंच पर जैसे ही इसकी प्रस्तुति हुई। मंच पर भोलेनाथ व मां पार्वती की वेशभूषा पहने कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी। घर-घर दीया माता घर-घर बाती ओ... कोरी-कोरी नारियर चढ़े दाई मोर.... चैत के महिना आबे दाई.... आमा पान के पतरी करेला पान के दोना.... मांदर बाजे रे .... ऐसे मनमोहक गीतों की प्रस्तुति ने दर्शकों को ठंडी मौसम में भी आनंद लेते रहे। कलाकारों का सम्मान छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू ने स्मृति चिन्ह भेंटकर किया।

एआईसीसी का 85वां अधिवेशन 24 से, तैयारियां जोरशोर से जारी

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि एआईसीसी का 85वां अधिवेशन 24 से 26 फरवरी तक रायपुर में प्रस्तावित है, इस अधिवेशन की तैयारी जोरों पर है।

प्रदेश प्रभारी सुश्री शैलजा इसकी समीक्षा के लिए रायपुर आ चुकी है, तैयारियों के लिए जो कमेटियां बनी है उनकी बैठक ली जा रही है, इस बैठक में विभिन्न कमेटियों के कामों का बंटवारा किया जाएगा, अभी तक जो कार्य हुये, उसकी समीक्षा की जाएगी। बताया गया कि वरिष्ठ नेता अधिवेशन कार्यक्रम स्थल का भी जायजा लेंगी।

इसी अधिवेशन में वर्किंग कमेटी का चुनाव होना है, विभिन्न विभाग के ढांचे का भी निर्माण होना है, उन्होंने कहा कि प्रदेश में भी विभिन्न विभागों के ढांचे का निर्माण भी किया जाएगा, आजादी के बाद. मध्य भारत के किसी शहर में पहली बार हो रहे कांग्रेस के महाधिवेशन में इतिहास बनने जा रहा है।

रायपुर महाधिवेशन में कांग्रेस पार्टी का संविधान बदलेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने अंबिका सोनी की अध्यक्षता में एक 8 सदस्य समिति बनाकर यह जिम्मेदारी सौंपी है।

तीन लाख के इनामी सहित 33 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा (आरएनएस)। जिले में पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा की मैजूदगी में 03 लाख के इनामी सहित 33 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सली किस्टाराम थाना क्षेत्र में घटित विभिन्न नक्सली गतिविधियों में शामिल रहे हैं। उक्त सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाएं प्रदान किया जायेगा। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने बताया कि विगत सप्ताह जिले के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र तोंडामरका और डब्बामरका में नवीन सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है। कैंपों की स्थापना के साथ क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक कार्यों से प्रभावित होकर नक्सली बड़ी संख्या में मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। डब्बामरका में खुले नए कैंप में आयोजित जन दर्शन शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति के बीच 03 लाख के इनामी सहित 33 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। जवानों के सहयोग से यहां ग्रामीणों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया, इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों का उपचार भी किया गया। शिविर में डब्बामरका एवं आस-पास के क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिविर में आये ग्रामीणों को सीआरपीएफ के डॉक्टरों की टीम द्वारा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसे सर्दी-जुकाम, बीपी, कमर दर्द, पीठ दर्द एवं मौसमी बीमारियों का परीक्षण कर दवाइयां दी गईं। कैंप शुरू होने से क्षेत्र में होने वाले विकासात्मक कार्य जैसे कि सडक़ निर्माण, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सुविधा, दूरसंचार, पीडीएस, शिक्षा, शासकीय भवन निर्माण एवं अन्य मूलभूत बुनियादी सुविधाओं के बारे में भी ग्रामीणों को जानकारी दी गई।

उत्तरी हवाओं ने बढ़ाई सर्दी, तापमान में गिरावट से फिर लौटी ठंड

रायपुर (आरएनएस)। उत्तरी हवा एक बार फिर से प्रभावी हो गई है। इसके चलते न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट आ गई। इतना ही नहीं इसका प्रभाव दिन में भी पड़ा और अधिकतम तापमान एक दिन पूर्व की तुलना में डेढ़ डिग्री सेल्सियस कम रहा।

मौसम विभाग के अनुसार एक-दो दिन में उत्तरी हवा का प्रभाव कमजोर पडऩे से तापमान में थोड़ी वृद्धि हो सकती है।

बताया गया कि उत्तर से आने वाली हवा की गति में परिवर्तन होने की संभावना है। इसके कारण न्यूनतम तापमान में परिवर्तन होने की संभावना

है। मंगलवार को मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। इससे प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में वृद्धि का ट्रेंड बनने की संभावना है। हालांकि तापमानमें परिवर्तन होने की सम्भावना नही है।

मौसम में उतार-चढ़ाव के बीच न्यूनतम तापमान में सीधे तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट से बीती रात कड़ाके की ठंड पड़ी। इस मौसम में पहली बार तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। इतना ही नहीं प्रदेश के किसी भी प्रमुख शहरों में रात का तापमान इतना कम नहीं रहा। दिन में तापमान 31 डिग्री के साथ सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार रायपुर व बिलासपुर में रात का तापमान 12.6 व दुर्ग में यह 13.4 डिग्री दर्ज किया गया।

भू-विस्थापितों ने 17 को तालाबंदी का किया ऐलान

- दीपका जीएम ऑफिस में जड़ेंगे ताला

कोरबा (आरएनएस)। ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति के बैनर तले एसईसीएल दीपका के मुख्य महाप्रबंधक के कार्यालय में 17 फरवरी को तालाबंदी का ऐलान किया है। उन्होंने बताया हैं की दफ्तर के बाहर धरना भी देंगे और रोजगार के लंबित प्रकरणों में प्रभावितों को नौकरी देने की मांग करेंगे। मांगे पूरी नहीं होने पर 24 फरवरी को खदान बंदी आंदोलन की भी चेतावनी दी है। कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाने

एसईसीएल की मेगा प्रोजेक्ट कुसमुंडा, दीपका व गेवरा एरिया ने खदान का विस्तार किया है।

इसके लिए कंपनी प्रबंधन ने खदान के आसपास के गांवों की जमीन का भी अधिग्रहण किया है। ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि एसईसीएल दीपका एरिया ने साल 1986 में ग्राम चैनपुर, सुवाभोड़ी, सिरकी खुर्द, बेलटिकरी, झिंगटपुर, मलगांव, दीपका, रेकी, रतिजा के किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया था। लेकिन पात्र सभी भूविस्थापितों को कंपनी में रोजगार नहीं मिला जो इसका अधिकार भी रखते हैं। इसके लिए एसईसीएल प्रबंधन व भूविस्थापितों की बैठक भी हुई। लेकिन आज भी कई भूविस्थापित रोजगार से वंचित हैं।

बताया गया है कि 100 से अधिक भू-विस्थापितों के एसईसीएल दीपका में रोजगार के पुराने प्रकरण लंबित है। जिनकी जमीनें अधिग्रहण करने के बाद अब तक नौकरी नहीं दी गई है। इधर भूविस्थापित रोजगार एकता संघ की ओर से भी यह मांग की गई है कि एसईसीएल कुसमुंडा में रोजगार के पुराने लंबित प्रकरणों पर भूविस्थापितों को रोजगार मिले। संघ की ओर से जीएम कार्यालय कुसमुंडा के बाहर शांतिपूर्वक धरना भी दे रहे हैं। ये भू-विस्थापित खम्हरिया, जटराज, जेलपारा, बरपाली, बरकुटा, जरहाजेल, दुरपा, मनगांव, भैंसमाखार, जटराज के रहने वाले हैं। 125 भूविस्थापित करीब 25 साल पहले अर्जित भूमि पर रोजगार की मांग कर रहे हैं।

राजिम मेले में आज से राज्य स्तरीय रामायण प्रतियोगिता, सभी जिलों के टीम देंगे प्रस्तुति

- वियतनाम और श्रीलंका की टीम भी करेंगे रामायण की प्रस्तुति
- संस्कृति सचिव ने किया निरीक्षण : विदेशी टीम से की बातचीत

राजिम (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के प्रयाग राज त्रिवेणी संगम राजिम में राज्य स्तरीय रामायण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों के रामायण मंडली रामनाम पर

व्याख्या देंगे। वहीं बुधवार की शाम को रामायण मंडली की प्रस्तुति देने वियतनाम और श्रीलंका की टीम भी राजिम पहुंच चुकी है। तीन दिवसीय आयोजित रामायाण प्रतियोगिता से पूरा मेला क्षेत्र राममय नजर आएगा। इसकी विशेष तैयारी को लेकर संस्कृति, पर्यटन एवं धर्मस्व के सचिव अन्बलगन पी बुधवार को निरीक्षण करने राजिम मेला पहुंचे। इस अवसर पर गरियाबंद कलेक्टर प्रभात मलिक, संस्कृति विभाग के संचालक विवके आचार्य, जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, अपर कलेक्टर अनिनाश भोई, उपसंचालक संस्कृति प्रताप पारेख, उमेश मिश्रा, राज्य स्तरण रामायण मंडली प्रतियोगिता के सहायक नोडल अधिकारी युगल तिवारी सहित आला अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान अधिकारियों ने श्रीलंका एवं वियतनाम से पहुंची टीम का स्वागत करते हुए उनसे चर्चा की। इसके बाद सचिव अन्बलगन पी ने भगवान राजीव लोचन मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की और सीता बाड़ी, मेला स्थल, रामायण मंच का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सुबह 10 से शाम 6 बजे तक होगी प्रस्तुति

राज्य स्तरीय रामायण प्रतियोगिता का आयोजन 16 से लेकर 18 फरवरी तक नदी में बने विशाल डोम मंच पर किया जाएगा। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 16 फरवरी दिन गुरुवार को सुबह 10:00 बजे से लेकर शाम 6:00 बजे तक प्रस्तुतियां होगी जिनमें 14 जिले की मानस मंडली रायपुर, धमतरी, दुर्ग, महासमुंद, गरियाबंद, बेमेतरा, राजनांदगांव, बिलासपुर, कांकेर, मुंगेली, रायगढ़, बलौदा बाजार भाटापारा, खैरागढ़ छुई खदान गंडई, कवर्धा तथा 17 फरवरी को गौरेला पेंड्रा मरवाही, जांजगीर-चांपा, सक्ति, मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी, सूरजपुर, कोरिया कोंडागांव, कोरबा, जशपुर, बस्तर जगदलपुर, सरगुजा, बालोद, नारायणपुर, बीजापुर और 18 फरवरी को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक सुकमा, बलरामपुर, सारंगढ़ बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर, दंतेवाड़ा जिला के मंडली प्रस्तुति देंगे। इस दरमियान विदेश की दो रामायण टीम वियतनाम और श्रीलंका की प्रस्तुति मुख्यमंच पर होगी। इस आयोजन को लेकर जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में उत्सुकता बनी हुई है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं सीनियर एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुश सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेरहाल, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU